**भारत सरकार**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न सं0 3000**

**दिनांक 21 मार्च, 2018**

**कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन को बढ़ाया जाना**

**3000. श्री चुनीभाई कानजीभाई गोहेलः**

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस स्रोतों/उत्पादन को बढ़ाने देने के लिए सरकार द्वारा की गई कार्रवाई की अद्यतन स्थिति क्या है, तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार ने गुजरात राज्य सरकार के साथ मिलकर गुजरात में ऐसे स्थानों की पहचान की है, यदि हां, तो विगत तीन वर्षों के उत्पादन आंकड़ों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री**

**(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)**

(क) और (ख): सरकार ने गुजरात राज्‍य सहित तेल और गैस के घरेलू उत्‍पादन को बढ़ाने के लिए अन्‍य बातों के साथ-साथ, निम्‍नलिखित नीतिगत पहल की हैं:

i. हाइड्रोकार्बन खोजों से शीघ्र मुद्रा अर्जित करने के लिए उत्‍पादन हिस्‍सेदारी संविदा (पीएससी) के    तहत छूट प्रदान करने, विस्‍तार और स्‍पष्‍टीकरण संबंधी नीति, 2014।

ii. परीक्षण आवश्‍यकता संबंधी नीति, 2015 ।

iii. खोजे गए लघु क्षेत्र नीति, 2015 ।

iv. हाइड्रोकार्बन अन्‍वेषण और लाइसेंसिंग नीति, 2016 ।

v. उत्‍पादन हिस्‍सेदारी संविदाओं के विस्‍तार संबंधी नीति, 2016 ।

vi. नेशनल डेटा रिपोजीटरी, 2017 स्‍थापित करना।

vii. तलछटीय बेसिन में गैर-मूल्‍यांकित क्षेत्र का मूल्‍यांकन।

viii. हाइड्रोकार्बन संसाधनों का पुन:मूल्‍यांकन ।

ix. कोल बेड मिथेन से शीघ्र मुद्रा अर्जित करने संबंधी नीति।

हाइड्रोकार्बन अन्‍वेषण और लाइसेंसिंग नीति (एचईएलपी) के तहत, रुचि की अभिव्‍यक्‍ति (ईओआईज) आमंत्रित करने का प्रथम दौर 1 जुलाई, 2017 से 15 नवंबर, 2017 तक खोला गया था। प्राप्‍त ईओआईज के आधार पर, 55 ब्‍लाकों को तैयार किया गया है और इन्‍हें अंतर्राष्‍ट्रीय प्रतिस्‍पर्धात्‍मक बोली प्रक्रिया के माध्‍यम से दिनांक 19 जनवरी, 2018 से बोली के लिए रखा गया है। खोजे गए लघु क्षेत्र (डीएसएफ) नीति को 2015 में अधिसूचित किया गया था। डीएसएफ बोली दौर-II में बोली के लिए 60 क्षेत्रों/खोजों की पहचान और की गई है।

**\*\*\*\*\*\***